|  |
| --- |
| http://www.results.manabadi.co.in/images/UOH_LOGO.gif**हैदराबाद विश्‍वविद्यालय****University of Hyderabad****School of Humanities****Department of Hindi** |
| **Syllabus of the course****Course : M.Phil. Hindi (Language and Literature)****Semester : 1****Course No. : HH 701****Title of the Course : Research Methodology (अनुसंधान प्रविधि)** |
| **Session**  : July –Nov.**Core/Optional :** Core **No. of Credits :** 4 (Four)**Lectures** : 4 session / week ( 1hour/session) | Course Instructor : Prof. R.S. SarrajuPhone Number / Email : 9177542280  rssarraju@gmail.com |
| **Introduction/परिचय :**  |
| अनुसंधान के स्वरूप, उसकी प्रक्रिया और प्रविधि का परिचय देना इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य है । अनुसंधान में विषय निर्वाचन से लेकर शोध-प्रबंध लेखन तक की प्रक्रियाओं और योजनाओं से संबंधित प्रविधि का परिचय इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत दिया जाएगा । शोध प्रबंध लेखन की विविध दशाओं में उठनेवाली पद्धतिमूलक और व्यावहारिक समस्याओं की जानकारी इस पाठ्यक्रम के बल पर शोधार्थी प्राप्त करता है ।  |
| **Course outline/पाठ्‌यविषय :**  |
| 1. अनुसंधान का स्वरूप और मूल तत्व; हिन्दी में अनुसंधान के विकास का इतिहास
2. अनुसंधान की प्रक्रिया : विषय निर्वाचन,
3. सामग्री-संकलन : हस्तलेखों का संकलन और उपयोग, ग्रंथानुक्रमणिका प्रस्तुत करना
4. शोधकार्य का विभाजन : संक्षिप्त रूपरेखा तैयार करना, अध्याय शीर्षक-उपशीर्षक और अनुपात,

शोध-प्रबंध की रूपरेखा : विषय-सूची, प्रस्तावना, भूमिका, सहायक ग्रंथों की सूची,1. संदर्भ उल्लेख : पाद-टिप्पणी और प्रबंध का प्रस्तुतीकरण
2. अनुसंधान के विविध प्रकार : विषय के अनुसार अनुसंधान के प्रकार, कार्यप्रणाली के अनुसार अनसंधान के प्रकार, प्रयोगात्मक शोध, सैद्धान्तिक शोध, क्रियात्मक शोध, सर्वेक्षणात्मक शोध, दस्तावेजी शोध, व्याख्यानात्मक शोध आदि
3. शोध प्रबंध लेखन प्रणाली
 |
| **Suggested Readings / सहायक ग्रंथ** : |
| 1. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, प्रो. एस.एन. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. शोध और सिद्धांत : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. शोध का स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि – बैजनाथ सिंहल
4. शोध प्रविधि और प्रक्रिया – डॉ. चन्द्रभान राव, डॉ. रामकुमार खण्डेलवाल
5. अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ. माताप्रसाद गुप्त
6. शोधतंत्र और दृष्टि – डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल
7. अनुसंधान : प्रविधि और क्षेत्र – राजमल बोरा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
 |
| **Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :****( Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)** |
| आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40 {लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}सत्रांत परीक्षा : अंक-60 |

**\*\*\*\*\***

|  |
| --- |
| http://www.results.manabadi.co.in/images/UOH_LOGO.gifहैदराबाद विश्‍वविद्यालयUniversity of HyderabadSchool of HumanitiesDepartment of Hindi |
| **Course : M.Phil. Hindi (Language and Literature)****Semester : 1****Course No. : 721****Title of the Course : Modern Thought****(आधुनिक चिंतन)** |
| **Session**  : July –Nov.**Core/Optional :** **Optional** **No. of Credits :** 4 (Four)**Lectures** : 4 session / week ( 1hour/session) | Course Instructors : Prof. V. Krishna, Dr. Bhim Singh, Dr. M. AnjaneyuluPhone Number / Email : vksh@uohyd.ernet.in |
| **Introduction/परिचय :** |
| आधुनिकाता की संकल्पना का परिचय देते हुए उसकी पूर्व पीठिका और आधुनिक चिन्तन के आधारणाओं को स्पष्ट करना, साहित्य के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक चिंतन की अभिव्यक्ति का परिचय देना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का आशय है । भारत में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया के दौरान साहित्यिक रचनाओं में आनेवाली वैचारिकता का परिचय इस पाठ्यक्रम के बल पर विद्यार्थी प्राप्त कर सकता है । भारतीय नवजागरण की प्रक्रिया और साहित्य के अंतःसंबंधों को स्पष्ट करते हुए वर्तमान समय तक परिवर्तनशील स्थितियों में विकसित साहित्य को प्रभावित करनेवाली विचारधाराओं का परिचय इस पाठ्यक्रम में दिया जाएगा ।  |
| **Course outline / पाठ्‌यविषय :** |
| 1. विचारधारा और साहित्य, मध्ययुगीन-बोध और आधुनिकता-बोध में साम्य-वैषम्य
2. आधुनिकता-बोध और औद्योगिक-संस्कृति, परम्परा और आधुनिकता
3. राष्ट्रीयता और अन्तरराष्ट्रीयता, राष्ट्रीय स्वातंत्र्य आंदोलन
4. पुनर्जागरण, पुनरुत्थान और हिन्दी लोक-जोगरण
5. हिन्दी साहित्य में संबद्ध विशिष्ट मतवाद – आध्यात्मवाद, गाँधीवाद, मार्क्सवाद, धर्म, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, अन्तश्चेतनावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद, अस्मितामूलक चिंतन
 |
| **Suggested Readings / सहायक ग्रंथ** : |
| 1. आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण, रमेश कुंतल मेघ
2. आधुनिकता, गंगाप्रसाद विमल,
3. भारतीय चिंतन परंपरा, के. दामोदरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस,
4. आधुनिकता के तीन अध्यया, धनंजय वर्मा
5. योरप और भारतीय नवजागरण, रामविलास शर्मा
6. पिछड़े हुए समाज और मार्कस्, रामविलास शर्मा
7. साहित्य और विचार धारा, अमृत राय
 |
| **Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :****( Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)** |
| आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40 {लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}सत्रांत परीक्षा : अंक-60 |

\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*

|  |
| --- |
| http://www.results.manabadi.co.in/images/UOH_LOGO.gifहैदराबाद विश्‍वविद्यालयUniversity of HyderabadSchool of HumanitiesDepartment of Hindi |
| **Course : M.Phil. Hindi (Language and Literature)****Semester : 1****Course No. : 722****Title of the Course : Sociology of Literature (साहित्य का समाज शास्त्र)** |
| **Session**  : July –Nov.**Core/Optional :** Optional **No. of Credits :** 4 (Four)**Lectures** : 4 session / week ( 1hour/session) | Course Instructor : Prof. Ravi RanjanPhone Number /Email : rrsh@uohyd.ernet.in |
| **Introduction/परिचय :** |
| साहित्य का समाजशास्त्र अतर्विद्यावर्ती उपागम के बल पर विकसित साहित्य अध्ययन क्षेत्र का परिचय देता है और वर्तमान साहित्य आलोचना का यह एक अपरिहार्य आयाम है । साहित्य की रचना प्रक्रिया से लेकर साहित्य में अभिवर्णित व्यक्ति और समाज के संबंधों का विश्लेषण इस अध्ययन क्षेत्र में होता है । प्रस्तुत पाठ्यक्रम के बल पर साहित्य के समाजशास्त्र के उपागम अध्ययन पद्धति का विकास, अवधारणा और सिद्धांत का परिचय दिया जाता है ।  |
| **Course outline / पाठ्‌यविषय :** |
| 1. साहित्य का समाजशास्त्र : परिभाषा, स्वरूप और संस्कृति के समाजशास्त्र से साहित्य के समाजशास्त्र का पार्थक्य
2. साहित्य के सामाजिक सिद्धान्त : उद्भव और विकास – साहित्य का सामाजिक सन्दर्भ : मैडा-डि-स्वेल, हर्डर, टेन ; साहित्य एक सामाजिक संस्थान केरूप में: डकन,रूचक, बर्नेट, एस्कारपिट तथा रेने वेलेक आदि
3. मार्क्सवादी परम्परा : मार्क्स से लुसिएं गोल्ड्समान आदि तक
4. अंग्रेजी निकाय : लिविरा, होगार्ट, विलियम,
5. संरचनावाद : जानाथन कलर,
6. गोल्डमैन, भाष्य विज्ञान : बुल्फ, टेलक्वेल वर्ग आदि
7. पद्धति की समस्याएँ और समाजशास्त्रीय अध्ययन की सीमाएँ
8. साहित्यिक कल्पना और समाजशास्त्रीय कल्पना
9. समाज शास्त्रीय अध्ययन की सामग्री के रूप में साहित्य की उपयोगिता
10. हिन्दी में समाज शास्त्रीय आलोचना का उद्भव एवं विकास
 |
| **Suggested Readings / सहायक ग्रंथ** : |
| 1. साहित्य का समाजशास्त्र : मान्यता और स्थापना – श्रीराम मेहरोत्रा, रचना प्रकाशन, वाराणसी
2. साहित्य का समाजशास्त्र : अवधारणा, सिद्धांत और पद्धति, वी.डी. गुप्ता, सीता प्रकाशन, हाथरस
3. साहित्यिक संस्था संरचना और प्रकार्य – वी.डी. गुप्ता, सीता प्रकाशन, हाथरस
4. साहित्य का वस्तुपरक विश्लेषण - वी.डी. गुप्ता, सीता प्रकाशन, हाथरस
5. साहित्य का समाजशास्त्र - डॉ. नगेन्द्र
6. साहित्य का समाज शास्त्र - निर्मला जैन
 |
| **Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :****( Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)** |
| आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40 {लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}सत्रांत परीक्षा : अंक-60 |

|  |
| --- |
| http://www.results.manabadi.co.in/images/UOH_LOGO.gifहैदराबाद विश्‍वविद्यालयUniversity of HyderabadSchool of HumanitiesDepartment of Hindi |
| **Course : M.Phil. Hindi (Language and Literature)****Semester : 1****Course No. : 723****Title of the Course : Philosophy of History of Literature** **(साहित्य का इतिहास दर्शन)** |
| **Session**  : July –Nov.**Core/Optional :** Optional **No. of Credits :** 4 (Four)**Lectures** : 4 session / week ( 1hour/session) | Course Instructors : Prof. Gajendra Kumar Pathak, Dr. J. AtmaramPhone Number / Email : gkpsh@uohyd.ernet.in |
| **Introduction/परिचय :** |
| साहित्य के इतिहास दर्शन का परिचय देना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का आशय है । इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत अतीत की परिस्थितियों, घटनाओं, परिस्थितियों, प्रक्रियाओं और साहित्य सृजन के विभिन्न आयामों के विश्लेषण के सिद्धांतों का परिचय दिया जाता है । इतिहास के प्रति पाश्चात्य और भारतीय दृष्टिकोण का परिचय देते हुए साहित्य के विकास के नियमों का परिचय दिया जाता है । इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की प्रणालियों और हिन्दी साहित्य के इतिहासकारों के इतिहास दर्शन का भी परिचय दिया जाता है ।  |
| **Course outline / पाठ्‌यविषय :** |
| 1. साहित्य का इतिहास : परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ
2. साहित्यिक इतिहास और आलोचना का परस्पर संबंध
3. ऐतिहासिक विकाक से सिद्धान्त : जैविकीय विकास : दर्शन, विधेयवादी विकास दर्शन :

 विशेषतः तेन, ऐतिहासिक भौतिकवादी विकासदर्शन : मार्क्स-एंगेल्स और उनके अनुयायी :  नव आदर्शवादी विकास दर्शन : स्पेंगलर, टाएनली और साहित्यिक विकास के नियम 1. कुछ महत्वपूर्ण विचार-संप्रदाय और साहित्य का इतिहास : विधेयवाद और साहित्य का इतिहास,
2. द्वंद्वात्मक भौतिकवाद और साहित्य का इतिहास, भाषाशास्त्र और साहित्य का इतिहास
3. काल विभाग : काल विभाजन के विभिन्न सिद्धान्त और उनका मूल्यांकन
4. साहित्य के इतिहास के कालविभाजन के सिद्धान्त और उनकी समस्याएँ
5. हिन्दी साहित्य के इतिहास ग्रंथ और उनके दर्शन – गार्सा-द-तासि, शिवराज सिंह सरोज, जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन, मिश्रबंधु, रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, गणपति चंद्रगुप्त
 |
| **Suggested Readings / सहायक ग्रंथ** : |
| 1. साहित्य का इतिहास दर्शन, नलिन विलोचल शर्मा
2. साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पांडेय
3. हिन्दी-साहित्य का इतिहास दर्शन, प्रो. आनंद नारायण शर्मा
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचंन्द्र शुक्ल
5. इतिहास दर्शन, रामविलास शर्मा
6. इतिहास दर्शन, परमानन्द सिंह
 |
| **Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :****( Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)** |
| आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40 {लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}सत्रांत परीक्षा : अंक-60 |

**\*\*\*\***

|  |
| --- |
| http://www.results.manabadi.co.in/images/UOH_LOGO.gifहैदराबाद विश्‍वविद्यालयUniversity of HyderabadSchool of HumanitiesDepartment of Hindi |
| **Course : M.Phil. Hindi (Language and Literature)****Semester : 1****Course No. : 724****Title of the Course : Aesthetics and Stylistics** **(सौंदर्य शास्त्र एवं शैली विज्ञान)** |
| **Session**  : July –Nov.**Core/Optional :** Optional **No. of Credits :** 4 (Four)**Lectures** : 4 session / week ( 1hour/session) | Course Instructor : Dr. M. Shyam RaoPhone Number / Email :msrsh@uohyd.ernet.in |
| **Introduction/परिचय :** |
| सौंदर्य शास्त्र और शैली विज्ञान साहित्य अध्ययन के ऐसे क्षेत्र हैं, जो क्रमशः सौंदर्यानुभूति और उसकी अभिप्रेरणाओं और अभिव्यक्त पद्धतियों का विश्लेषण करते हैं । सौंदर्य शास्त्र और शैली विज्ञान के विश्लेषण के क्षेत्र के प्रतिमानों और प्रक्रिया परिचय शोधार्थियों को देना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का आशय है । साहित्य अध्ययन के इन दोनों क्षेत्रों की संकल्पनाओं और विश्लेषण की प्रक्रिया के दिशा वैविद्य को स्पष्ट करते हुए शोधार्थियों की विश्लेषण क्षमताओं का विस्तार करना इस पाठ्यक्रम का आशय है ।  |
| **Course outline / पाठ्‌यविषय :** |
| 1. सैंदर्य की परिभाषा और स्वरूप
2. दर्शन की एक शाखा के रूप में सौंदर्य शास्त्र का उद्भव और विकास
3. सौंदर्य के तत्व
4. सौंदर्यानुभूति का स्वरूप
5. ललित कलाओं के वर्गीकरण
6. सौंदर्य शास्त्र और काव्यशास्त्र का परस्पर संबंध
7. शैली-संधारणा, परिभाषा-विवेचन, भाषा शैली और संदर्भ, शैली की कुछ मुख्य संधारणाएँ समानांतरता, अग्रप्रस्तुतीकरण, विपधन, चयन, ट्रापिकलाइजेशन, रीति, अरंकार, औचित्य, ध्वनि, शैली चिह्नक
8. शैली विज्ञान : उद्भव और विकास, शैली विज्ञान-विश्लेषण ; प्रतिमान और प्रक्रिया, शैली विज्ञान और अन्य अनुशासन, शैली विज्ञान और द्वन्द्व शास्त्र, शैली विज्ञान और सौंदर्यशास्त्र, शैलीविज्ञान और मनोविज्ञान, शैलीविज्ञान और भाषा-विज्ञान, शैली विज्ञान और समाज शास्त्र, शैली विज्ञान और कोश विज्ञान, शैली विज्ञान और अनुवाद (सामान्य विवेचन)
9. भाषा और साहित्य, काव्य भाषा बनाम सामान्य भाषा, साहित्यिक भाषा बनाम स्तरीकृत भाषा, साहित्यिक भाषा और बोली
 |
| **Suggested Readings / सहायक ग्रंथ** : |
| 1. शैली विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, शब्दकार,
2. शैली विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
3. शैलीविज्ञान, डॉ. सुरेश कुमार
4. शैली और शैलीविश्लेषण, डॉ. पांडेय शशिभूषण शीतांशु, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
5. शैली, डॉ. रामचन्द्र, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना
6. शैली विज्ञान प्रतिमान और विश्लेषण, कृष्ण कुमार शर्मा
7. आस्था और सौंदर्य, रामविलास शर्मा
8. कला के सिद्धांत, कालिंग वुज, राजस्थान ग्रंथ अकादमी, उदाय पुर
9. सौंदर्य मीमांसा, इमानुपुल कांट, राजस्थान ग्रंथ अकादमी, उदायपुर
10. सौंदर्य तत्व और काव्य सिद्धान्त, डॉ सुरेन्द्र बालिंग, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली,
11. अथातो सौंदर्य जिज्ञासा, रमेश कुंतल मेघ, राकमल प्रकाशन
12. सौंदर्य शास्त्र के तत्व, कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन
13. संवेदना और सौंदर्य,डॉ. राजमल बोरा
14. सौंदर्य तत्व निरुपण, डॉ नरसिम्हा चारी
15. कला विवेचन, डॉ कुमार विमल
 |
| **Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :****( Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)** |
| आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40 {लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}सत्रांत परीक्षा : अंक-60 |

|  |
| --- |
| http://www.results.manabadi.co.in/images/UOH_LOGO.gifहैदराबाद विश्‍वविद्यालयUniversity of HyderabadSchool of HumanitiesDepartment of Hindi |
| **Course : M.Phil. Hindi (Language and Literature)****Semester : 1****Course No. : 725****Title of the Course : Social Context of Hindi and Language Registers**(हिन्दी भाषा और प्रयुक्तियों का सामाजिक संदर्भ) |
| **Session**  : July –Nov.**Core/Optional :** Optional **No. of Credits :** 4 (Four)**Lectures** : 4 session / week ( 1hour/session) | Course Instructors : Prof. R.S. Sarraju, Dr. J. AtmaramPhone Number / Email :rssarraju@gmail.com |
| **Introduction/परिचय :** |
| समाज और भाषा के अंतः संबंधों का परिचय देते हुए समाज में भाषा प्रयोग की विशेषताओं का विश्लेषण करना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का लक्ष्य है । भाषा समुदाय, भाषा प्रकार्य, संप्रेषण सामर्थ की संकल्पनाओं के बल पर वर्तमान समाज में भाषा प्रयोग और भाषा परिवर्तन की ओर शोधार्थियों का ध्यान आकृष्ट करना इस पाठ्यक्रम की विशेषता है । भाषा प्रयुक्तियों के निर्माण की प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए प्रोक्त विश्लेषण (Discourse Analysis) में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना भी इस पाठ्यक्रम का आशय है । हिन्दी भाषा प्रयोग सामाजिक संदर्भों का ज्ञान कराते हुए भाषा के मानकीकरण और भाषा योजना, भाषा नीतियों से संबंधित ज्ञान भी प्रस्तुत पाठ्यक्रम के बल पर दिया जाता है। |
| **Course outline / पाठ्‌यविषय :** |
| 1. समाज भाषा विज्ञान और भाषा के समाज शास्त्र का परिचय, मूलभूत संकल्पनाएँ, भाषा समुदाय, भाषा प्रकार्य, संप्रेषण सामर्थ्य
2. भाषा प्रयोग की विशेषताएँ और प्रयुक्तियों की संकल्पनाओं का परिचय , स्थिति-संदर्भ और संस्कृति संदर्भ
3. प्रोक्ति विश्लेषण का परिचय
4. हिन्दी भाषा का सामाजिक संदर्भ, बहुभाषी समाज में हिन्दी की भूमिका,

भाषा समस्या, अभिगम – स्वातन्त्रयपूर्व काल और स्वातंत्र्योत्तर काल भाषा - संविधानपरक अभिगम और हिन्दी का स्थान सामाजिक और राजनैतिक जीवन से संबंधित स्थितियों में भारत में हिन्दी की भूमिकाराष्ट्रीय जीवन में हिन्दी की भूमिका : राष्ट्रभाषा के रूप में , राजभाषा के रूप में, संपर्क भाषा के रूप में, लोक भाषा के रूप में, जनसामान्य में सम्प्रेषण का माध्यमनिम्न क्षेत्रों में हिन्दी का स्थान : शिक्षा का माध्यम, शासकीय, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक भाषा योजना : त्रिभाषा सूत्र1. हिन्दी के सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर तथा प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं उसके प्रकार : औपचारिक बनाम अनौपचारिक, मानक बनाम बोली और हिन्दी, अन्य भाषाओं का हिन्दी पर दबाव : संस्कृत, फारसी, उर्दू, अरबी, अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाएँ

हिन्दी के प्रति अभिवृत्ति (अभिरुख – एटिट्यूड)1. भाषा नीतियाँ और भाषा नियोजन

हिन्दी का आधुनिकीकरण और मानकीकरण |
| **Suggested Readings / सहायक ग्रंथ** : |
| 1. भाषाई अस्मिता और हिन्दी, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी भाषा चिन्तन, प्रो. दिलीप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा शिक्षण, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी भाषा की सामाजिक संरचना, भोलानाथ तिवारी
5. हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र, दिलीप सिंह
 |
| **Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :****( Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)** |
| आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40 {लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}सत्रांत परीक्षा : अंक-60 |

**\*\*\*\***

|  |
| --- |
| http://www.results.manabadi.co.in/images/UOH_LOGO.gifहैदराबाद विश्‍वविद्यालयUniversity of HyderabadSchool of HumanitiesDepartment of Hindi |
| **Course : M.Phil. Hindi (Language and Literature)****Semester : 1****Course No. : 726****Title of the Course : Sahitya Media Aur Sanskriti**  |
| **Session**  : July –Nov.**Core/Optional :** Optional **No. of Credits :** 4 (Four)**Lectures** : 4 session / week ( 1hour/session) | Course Instructor : Prof. Alok PandeyPhone Number / Email : 04023133465/ profalok@outlook.com |
| **Introduction/परिचय :** |
| यह कोर्स विद्यार्ती को हिन्दी साहित्य और मीजिया के सम्बन्धों की पूरी परंपरा से परिचित कराता है बल्कि सके सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों के विश्लेषण और अध्ययन से भी जोड़ता है । पथ भले ही थोड़े भिन्न हो, पर साहित्य और पत्रकारिता, दोनों का उद्देश्य एक है – बेहतर मनुष्य, समाज और संस्कृति का निर्माण । यह कोर्स विद्यार्थी को वह दृष्टि देने का प्रयास करेगा कि वह जान सके कि साहित्य और मीजिया अपने पथ और उद्देश्य पर अग्रसर हैं या नहीं ।  |
| **Course outline / पाठ्‌यविषय :** |
| मीडिया : स्वरूप, प्रकृति और प्रकार (4)समकालीन मीडिया : शक्ति और सीमाएँ (3)हिन्दी साहित्य और हिन्दी पत्रकारिता (2)हिन्दी के साहित्यकार –पत्रकार (2)समकालीन मीडिया और हिन्दी साहित्य (2)मीडिया और समाज (2)मीडिया और लोकतंत्र (2)मीडिया और स्त्री/दलित एवं अल्पसंख्यक (3)मीडिया की भाषा (3)हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता का समकाल (3)विज्ञापन संस्कृति, उपभोक्तावाद और मीडिया (4)भूमंडलीकरण, साहित्य और मीडिया (4)साहित्य और संस्कृति (2)मीडिया और संस्कृति (3)साहित्य, मीडिया और संस्कृति : अन्तः सम्बन्ध एवं अन्तः प्रभाव (4) |
| **Suggested Readings / सहायक ग्रंथ** : |
| 1. समय और संस्कृति : श्यामाचरण दुबे
2. मानव और संस्कृति : श्यामाचरण दुबे
3. संक्रमण की पीड़ा : श्यामाचरण दुबे
4. परंपरा और परिवर्तन : श्यामाचरण दुबे
5. विकल्पहीन नहीं है दुनिया : किशन पटनायक
6. समय से संवाद : के डी पालीवाल
7. लोक माध्यम : सत्यदेव त्रिपाठी
8. पत्रकारिता के आधुनिक चरण : कृपाशंकर चौबे
9. भूमंडलीकरण और मीडिया : कुमुद शर्मा
10. संस्कृति, विकास और संचार क्रांति : पूरन चन्द्र जोशी
11. संचार मध्यमों का वर्ग चरित्र : रेमंड विलियम्स
12. Understanding Media : The Extension of Man : Marshal Mekluhaan
13. Broadcasting of the People : Mehara Masani
14. The power of Television : Konard Lijiyaak
15. Media, Politics and Society : Remand Williams
16. Communication and Social Development in Indian : B. Kuppuswami
17. The Global Media : The new Missionaries of capitalism : Herman, Maekchne
 |
| **Pattern of Examination / परीक्षा का पैटर्न :****( Internal Examinations and End-Semester Exam details and evaluation pattern)** |
| आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक-40 {लिखित (अंक-10), मौखिक (अंक-10), सेमिनार (अंक-10) में से किन्हीं दो परीक्षाओं में अर्जित सर्वोच्च अंकों का योग (10+10=20) + प्रदत्त कार्य (Assignment) के अंक-20}सत्रांत परीक्षा : अंक-60 |